



Unnat Bharat Abhiyan @ UTU



Unnat Bharat Abhiyan is a flagship programme of **Ministry of Education (MoE)**, Government of India that aims to enrich Rural Communities. The scheme aims to link higher educational institutions with set of at least five villages, so that they can contribute to socio-economic betterment.

VMSB-UTU Dehradun is an active member of **Unnat Bharat Abhiyan**. University has adopted five villages from Dehradun under this program.

Sr. No.	ADOPTED VILLAGES	TALUKA (Block)	DISTRICT
1	Shishamwara	Vikas Nagar	Dehradun
2	Dhulkot	Sahaspur	
3	Chakmanshah	Sahaspur	
4	Rudrapur	Sahaspur	
5	Bhopalpani	Raipur	

Motivation by the vision of Gandhi Ji of self-sufficient 'Gram Swaraj' Govt. of India has set its vision of holistic development of villages. Under this vision, rural areas need to be developed with local resources (Physical Resources and Human Resources), eco-friendly technologies so that the basic need of food, clothing, shelter, sanitation, healthcare, energy, livelihood, education etc. are locally met.

The objectives of the scheme are as follows

- Engage faculty members and students of the University in understanding rural realities.
- Identify and select existing innovative technologies, enable customization of technologies or devise implementation methods for innovative solutions as required by that local community.

The scheme "Unnat Bharat Abhiyan" is inspired by vision of transformational change in rural cluster by providing knowledge base and resources of higher educational Institutions of the country to help in building the architecture of Inclusive India.

It also aims to create linkage between higher educational institute with selected rural clusters, to get involved in the planning process and to promote the requisite science and technology interventions to improvise and expedite the developmental efforts in these clusters.

Website Link: <https://unnatbharatabhiyan.gov.in>

Media Report on UBA Activities

गावों के विकास में सहयोग देगा यूटीयू

देहरादून (एसएनबी)। उन्नत भारत अभियान के तहत वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) जनपद के पांच गावों के विकास में सहयोगी बनेगा। कुलपति व जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद सिंहनीवाला गांव के साथ अभियान में धूलकोट, चकमनशाह, रुद्रपुर व भोपालपानी गांवों को शामिल किया गया है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की उन्नत भारत अभियान योजना के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों को ग्रामीण विकास में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संस्थानों के शिक्षक व छात्र ग्रामीण जीवन की समस्याओं के समाधान सुलझाने का प्रयास करेंगे। योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों, स्वयंसेवी संगठनों व पंचायतीराज संस्थानों के साथ मिलकर

उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि व ग्रामीण अंचलों की समस्याओं का निराकरण है। यूटीयू ने 2017 में सिंहनीवाला को गोद लिया था। यूटीयू ने गांव में जागरूकता व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। ग्रामीण

आजीविका को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना गांव के बोक्सा जनजातीय किसान इंटर कालेज में की। कुलपति डा. पीपी ध्यानी कार्यक्रमों की समीक्षा कर गांव में उपलब्ध संसाधनों व अवसरों का जायजा ले चुके हैं। अभियान के क्रियान्वयन के लिए डा. धीरेन्द्र सिंह गंगवार को समन्वयक नियुक्त किया है। डा. संदीप नेगी, मोहम्मद शाकिम्ब, मोनिका गुप्ता, अंशिका गोयल, अमित कुमार व विजय सिंह बिष्ट सहयोग के लिए नमित हैं।

सिंहनीवाला, धूलकोट, चकमनशाह, रुद्रपुर व भोपालपानी शामिल

पांच गांवों में बुनियादी सुविधाएं जुटाएगा यूटीयू

देहरादून। चीरमाधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि देहरादून जिले के पांच गांवों को उन्नत भारत अभियान के तहत विकसित करेगा। इन गांवों में मूलभूत सुविधाओं के साथ शिक्षा और रोजगार क्षेत्र में भी काम किया जाएगा। शनिवार को परियोजना समन्वयक डॉ. धीरेंद्र सिंह गंगवार ने यह जानकारी दी। कुलपति डॉ. पीपी ध्यानी और डीएम डॉ. आर. राजेश कुमार के अनुमोदन के बाद यूटीयू ने सिंहनीवाला के साथ ही धूलकोट, चक मनशाह, रुद्रपुर, भोपालपानी को चुना है। सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना गांव के वोक्सा जनजातीय कॉलेज में होगी।

कवायद

उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति ने किया गांव का भ्रमण, स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने पर दिया जोर

स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित होगा सिंहनीवाला

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। सिंहनीवाला गांव को उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करेगा। बुधवार को गांव का भ्रमण करने के बाद कुलपति डॉ. पीपी ध्यानी ने यह निर्देश दिया। उन्होंने स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा, जिससे उन्हें स्वरोजगार के मौके मिल सकें।

बुधवार को उन्होंने अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ वोक्सा इंटर कॉलेज और राजकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में पौधा लगाया और शिक्षकों, छात्र-छात्राओं व ग्रामीणों को कोरोना से बचाव के प्रति जागरूक किया। छात्रों को दूरी पर बैठा देखकर उन्होंने तुरंत फोल्डेबल प्लास्टिक फर्नीचर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने 98 किताबें, दो बुक सेल्फ भेंट को और जल्द ही दो कंप्यूटर व 10 ग्रीन बोर्ड समेत सामग्री



स्कूल का निरीक्षण करते उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति डॉ. पीपी ध्यानी और अन्य।

अमर उजाला

देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने राजकीय पूर्व माध्यमिक स्कूल शोशमबाड़ा में बाल पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने बताया कि गांवों में युवाओं को रोजगार के अवसर देने के लिए रोजगारपरक व कौशल विकास से संबंधित निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम

चलाया जाएगा। उन्होंने गांव की समस्याओं के निपटारे, विलेज डेवलपमेंट एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिए। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. आरपी गुप्ता, पीके अरोड़ा, सुरेश चंद्र, डीएस गंगवार, डॉ. संदीप सिंह, दिलशाद, दर्शनलाल, वीरेंद्र सिंह, डीएस राणा मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर जोर दिया

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को मानवतावादी एवं सतत विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह परिचर्चा विश्वविद्यालय ग्राम अभिग्रहण परियोजना के अंतर्गत की गई जिसमें गोद लिए गांवों से आए लोगों ने प्रतिभाग किया। मुख्य वक्ता स्पेक्स संस्था के प्रमुख डॉ. बृजमोहन शर्मा ने ग्रामीणों को बुनियादी जरूरतें पूरी करने वाली प्रौद्योगिकी पर काम करने की सलाह दी। उन्होंने संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर भी जोर दिया। परिचर्चा में हेस्को के प्रमुख डॉ. अनिल जोशी ने प्राकृतिक संसाधनों और वैज्ञानिक अनुसंधानों के मानवतावादी उपयोगों पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं सरस्वती पूजन से हुआ। डॉ. धीरेन्द्र सिंह गंगवार ने मानवतावादी एवं सतत विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका को स्पष्ट करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर संदीप सिंह नेगी, संजय कुमार, अमित सैनी, मोनिका गुप्ता, ममता चमोली, मोहम्मद साकिब आदि उपस्थित रहे। मा.सि.रि.

तकनीकी विश्वविद्यालय बोक्सा जनजाति के विकास में बनेगा सहयोगी

🕒 3 hours ago admin



शब्द रथ न्यूज, ब्यूरो (shabd rath news)।

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय बोक्सा जनजाति के विकास में सहयोगी बनेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने आज एमओयू पर हस्ताक्षर किये किए हैं।

UBA Activities conducted by VMSB-UTU

Plantation in Shishamwada Village, July-2021



Entrepreneurship Awareness Program, October-2021



KVIC Training Programs on Agarbatti Making, January-2022





Seminar on Role of Technology in humanitarian and Sustainable Development, April-2022



Interaction with Members of Panchayat from Chakmanshah Village, June-2022



Training Program on Disinfectant Making, July-2022

